वी.यू. में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा प्रायोजित लघु पाठ्यक्रम का शुभारंभ

जबलपुर। आज दिनांक 08 फरवरी 2022 नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के अंतर्गत पशु परजीवी विज्ञान विभाग, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर में दिनांक 08.02.2022 से 10 दिवसीय लघु पाठ्यक्रम (ऑनलाईन) शीर्षक **"एंटीपैरासिटिक दवा प्रतिरोध का पता लगाना एवं उसका रोकथाम"** का शुभारंभ हुआ। इस प्रशिक्षण का उद्घाटन मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी के मार्गदर्शन में एवं विशिष्ट आतिथ्य, डॉ. श्रीकांत घोष, (प्राध्यापक एवं प्रमुख, पशु परजीवी विज्ञान विभाग, भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, ईज्जत नगर, बरेली), एवं विशेष अतिथि डॉ. मुकेश मेहता, (अधिष्ठाता संकाय), डॉ. श्रीकांत जोशी (कुलसचिव) डॉ. मधु स्वामी (निर्देशक अनुसंधान सेवाऐं) की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम की शुरूआत हुई। वस्तुतः माननीय कुलपति महोदय जी इस कार्यक्रम के प्रेरणास्त्रोत रहे है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को **पशु परजीवियों में बढ़ते एंटीपैरासिटिक दवा प्रतिरोधक का प्रभाव** एवं इनको कम करने हेतु अवगत कराना है।

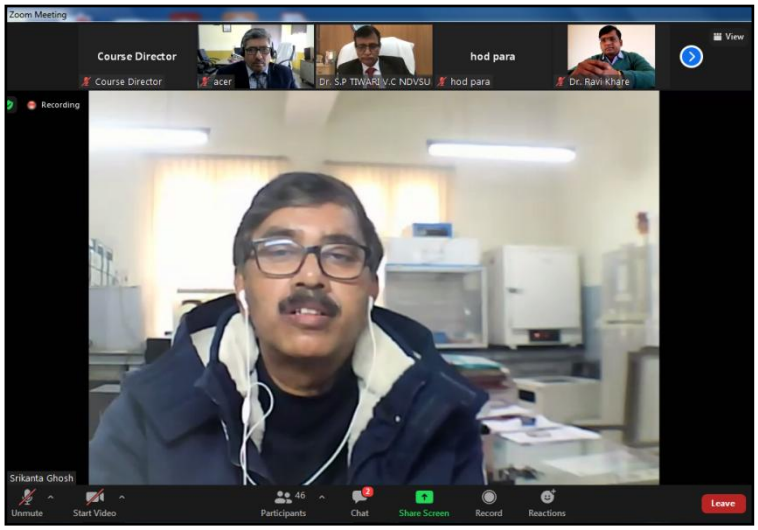

प्रशिक्षण कार्यक्रम भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के तत्वाधान से आयोजित किया जा रहा है जिसके लिए वि. वि. एवं पशु परजीवी विज्ञान विभाग, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर आभार व्यक्त करता है।

इस प्रशिक्षण में संपूर्ण देश से कुल 27 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया, जिसमें वैज्ञानिक एवं प्राध्यापक सम्मिलित हुए हैं। इस 10 दिवसीय लघु प्रशिक्षण कार्यक्रम में पाठ्यक्रम निर्देशक डॉ. गिरिधारी दास, पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. सुमन कुमार, डॉ. शुभ्रदल नाथ एवं डॉ. रूपेश वर्मा है। इस उद्घाटन समारोह का संचालन, डॉ. पूनम शाक्या, डॉ. निधि राजपूत एवं आभार प्रर्दशन डॉ. सुमन कुमार द्वारा प्रस्तुत किया गया।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय, महाविद्यालय एवं संपूर्ण देश से जुड़े वैज्ञानिक एवं प्राध्यापक की गरिमामयी उपस्थिति उल्लेखनीय रहीं।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर